एड्स दिवस...

बचाव के लिए ज्ञानवर्धक प्रदर्शनी लगाई

एड्स से बचाव की दी जानकारी

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क

patrika.com

नागदा. ब्लॉक खाचरौद के खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. संजीव कुमरावत के मार्गदर्शन में विश्व एड्स दिवस पर बीमारी से बचाव संबंधी ज्ञानवर्धक प्रदर्शनी का आयोजन स्वास्थ्य विभाग नागदा के तत्वाधान में स्थानीय बस स्टैंड पर किया गया। गौरतलब है कि सन 1988 से एड्स की जानकारी, बचाव एवं जन जागरण के लिए पूरे विश्व में 1 दिसंबर को विश्व एड्स दिवस मनाया जाता है। इसी तारतम्य में स्वास्थ्य विभाग नागदा द्वारा इस वर्ष भी स्थानीय बस स्टैंड पर ज्ञानवर्धक जानकारी संबंधी प्रदर्शनी लगाई गई । इस प्रदर्शनी में ग्रेसिम ग्रामीण सामाजिक उत्तरदायित्व विभाग एवं संस्था साथी का विशेष सहयोग रहा। प्रदर्शनी का उद्घाटन पुलिस अधीक्षक मानसिंह परमार, नपा उपाध्यक्ष सज्जनसिंह शेखावत एवं भाजपा मंडल अध्यक्ष राजेश धाकड़ ने किया। इसमें जन सामान्य के अलावा कॉलेज एवं स्कूल के छात्र-छात्राओं ने सक्रिय रूप से भाग लिया। इस अवसर पर सीएसपी परमार ने एड्स को लेकर अपने अनुभव साझा किए। एड्स काउंसलर कविता सेन ने अतिथियों को प्रदर्शनी की जानकारी दी। बीएमओ डॉ. कुमरावत ने एड्स के लक्षण संक्रमण एवं बचाव पर जानकारी दी। इस अवसर पर ग्रेसिम सामाजिक उत्तरदायित्व विभाग के अजय गुप्ता, अरविंद सिकरवार, साथी केयर रवि प्रजापत एवं स्वास्थ्य विभाग की श्रुतिका भोंडवे, प्रकाश जोशी, नवीन नवीन पांडे, रितेश मीणा, एव बीएल सोनी उपस्थित थे।

एनजी0202जेपीजी बस स्टैंड पर आयोजित प्रदर्शनी में मौजूद अतिथि।

गर्भवती महिलाओं का इलाज पीपीटीसीटी पद्धति से हो रहा है : गर्भवती मां से जन्म लेने वाले बच्चें में एड्स की संभावना रहती है इसको रोकने के लिए पीपीटीसीटी (प्रीवेंशन ऑफ पेरेंटस टू चाईल्ड ट्रांसमिशन) कार्यक्रम चलाया जाता हे। इससे गर्भवती माता को एड्स की दवा शुरू कर दी जाती है, एवं जन्म लेने वाले बच्चें को नेवेरापिन दवाई देते है। नागदा अस्पताल में पिछले पांच वर्षो में कुल 26 गर्भवती महिला का इस कार्यक्रम के अंतर्गत इलाज किया, जिनमें 24 महिला को जन्म लेने वाले बच्चों में एड्स निगेटिव आया व 2 पॉजीटिव बच्चों का ईलाज किया जा रहा है।

दैनिक भास्कर, उज्जैन, शनिवार, 02 दिसंबर, 2017

5 सालों में 26 गर्भवती महिलाओं का इलाज कर 24 बच्चों को एड्स से बचाया

सुबह प्रदर्शनी तो शाम को फिल्म दिखाकर जागरूकता अभियान चलाया

भास्कर संवाददाता | नागदा

5 सालों में 26 गर्भवती महिलाओं में एड्स की शिकायत मिली। गर्भवती मां से बच्चों में एड्स की आशंका रहती है, जिसे लेकर सरकारी अस्पताल के चिकित्सकों द्वारा पीपीटीसी कार्यक्रम के तहत गर्भवती माता को एड्स की दवा दी जाती है। जन्मे बच्चे को नेवेरापिन की दवा दी जाती है, ताकि बच्चा स्वस्थ रहे। सरकारी अस्पताल के प्रयासों से 5 सालों में 26 गर्भवती महिलाओं की प्रसूति के बाद 24 बच्चों को एड्स से बचाया गया। 2 बच्चों के पॉजीटिव आने पर उनका उपचार किया जा रहा है। यह जानकारी शुक्रवार को विश्व एड्स दिवस पर बस स्टैंड पर आयोजित प्रदर्शनी में बीएमओ डॉ. संजीव कुमरावत ने दी।

बीएमओ डॉ. कुमरावत ने बताया बस स्टैंड पर ग्रेसिम ग्रामीण सामाजिक उत्तरदायित्व विभाग, साथी केयर संस्था के सहयोग से प्रदर्शनी लगाई गई। इसका शुभारंभ सीएसपी मानसिंह परमार, नपा उपाध्यक्ष सज्जनसिंह शेखावत, भाजपा मंडल अध्यक्ष राजेश

बस स्टैंड पर आयोजित प्रदर्शनी देखने पहुंची स्कूली छात्राएं। विशेषज्ञों ने रोग से बचाव की लोगों को जानकारी दी।

का अवलोकन कॉलेज-स्कूली विद्यार्थियों सहित नागरिकों द्वारा किया गया। एड्स काउंसलर कविता सेन ने प्रदर्शनी की जानकारी दी। इस मौके पर ग्रेसिम सामाजिक उत्तरदायित्व विभाग के अजय गुप्ता, अरविंद सिकरवार, साथी केयर संस्था के रवि प्रजापत, स्वास्थ्य विभाग की श्रुतिका भोंडवे, प्रकाश जोशी, नवीन पांडे, रितेश मीणा, बी.एल. सोनी आदि मौजूद थे। इसी तरह शाम 6 बजे रेलवे स्टेशन परिसर में प्रोजेक्टर के माध्यम से एड्स जागरूकता

इधर किशोर स्वास्थ्य को लेकर हुई कार्यशाला

सूचना शिक्षा संचार गतिविधि के तहत किशोर स्वास्थ्य विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें शासकीय कन्या उमावि की छात्राओं ने हिस्सा लिया। साथ ही इनके बीच स्वास्थ्य मुद्दों पर भाषण प्रतियोगिता भी हुई। इसमें लक्ष्मी मीणा ने भ्रूण हत्या व बेटी बचाओ विषय, मनीषा चंदेल ने एनीमिया, सोनू कुंवर ने एड्स पर भाषण देकर क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया। बीएमओ डॉ. संजीव कुमरावत ने किशोर स्वास्थ्य को प्रभावित करने वाले कारण व उनसे बचाव के तरीके बताए। संचालन बीईई बी.एल. सोनी ने किया। इस मौके पर वंदना रघुवंशी, प्रीति गुप्ता, डॉ. सद्दाम पटेल, डॉ. कीर्ति वाडिया, प्रकाश जोशी, नीतेश उपाध्याय, नवीन पांडे, रितेश देयरवाल आदि मौजूद थे।

राज एक्सप्रेस

विश्व एड्स दिवस पर प्रदर्शनी का आयोजन

नागदा(आरएनएन) विश्व एड्स दिवस के उपलक्ष्य में स्वास्थ्य विभाग, ग्रेसिम ग्रामीण विकास एवं साथी होम केयर के संयुक्त तत्वावधान में बस स्टेंड पर एड्स जागरुकता प्रदर्शनी का आयोजन किया। वहीं बिरलाग्राम क्षेत्र में आशा कार्यकर्ता ने रैली निकालकर एड्स के प्रति जागरुकता का अलख जगाया।

निकाली जागरूकता रैली

विश्व एड्स दिवस के उपलक्ष्य में शुक्रवार को बस स्टेंड पर स्वास्थ्य विभाग, ग्रेसिम ग्रामीण विकास विभाग एवं साथी होम केयर के संयुक्त तत्वावधान में जनजागरुकता प्रदर्शनी का आयोजन हुआ। शुभारंभ अवसर पर अतिथि के रुप में सीएसपी मानसिंह परमार ने शिरकत की। उन्होंने कहा कि औद्योगिक क्षेत्र होने की वजह से देश के हर प्रांत का व्यक्ति का आना जाना लगा रहता है वर्ष 2011 से 30 नवंबर 2016 तक 131 व्यक्ति एड्स पॉजिटीव पाए गए, जो कि हमारे लिए चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि एड्स के प्रति जागरुकता लाने में चिकित्सा विभाग, ग्रेसिम ग्रामीण विकास एवं साथी होम केयर सराहनीय भूमिका अदा कर रहे है। इस मौके पर अतिथियों ने एड्स जागरुकता कार्यक्रम में श्रेष्ठ सेवा देने वाले डॉ. संजीव कुमरावत, एड्स काउंसलर कविता सेन, रचना चन्द्रावत को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। बीएमओ डॉ. कुमरावत ने अतिथियों को एड्स दिवस पर वर्षभर आयोजित किए जाने वाली गतिविधियों का ब्यौरा प्रस्तुत किया। बीएमओ कुमरावत के अनुसार जनवरी 2016 से 30 नवंबर तक जांच के दौरान 10 व्यक्ति पॉजीटिव पाए गए, जिसमें दो गर्भवती महिलाएं भी शामिल है।

महिलाओं को प्रसव के बाद दोनों बच्चों का ट्रीटमेंट स्थानीय उपचार केंद्र में जारी है पंद्रह दिन में होने वाली जांच के दौरान बच्चों में एड्स नेगेटिव की रिपोर्ट आई है अब छह माह दोनों बच्चों की दोबारा जांच होगी. इसके बाद दोनों बच्चे हमेशा के नेगेटिव रहेंगे। इसके पूर्व फातिमा स्कूल के विद्यार्थियों ने शहर के मुख्य मार्गों से जनजागरुकता रैली निकाली, जिसमें लगभग 60 विद्यार्थी शामिल हुए।